ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल
जुलाई परीक्षा (2024)
विषय : नैतिक शिक्षा. **(Set A)**
कक्षा:- आठवीं

समय:- 1: घंटा 20 मिनट **पूर्णांक:- 30**
सामान्य निर्देश: सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(क)	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।**	अंक
1.	भगवान का सर्वश्रेष्ठ नाम क्या है ?	1
2.	गीता का उपदेश किसने दिया?	1
3.	गीता में आत्मा को क्या बताया गया है?	1
4.	किस मंत्र को महामंत्र कहा जाता है ?	1
5.	स्वामी दयानंद जी के गुरु का नाम लिखिए।	1
6.	'भूः' शब्द का अर्थ लिखिए।	1
7.	ओ३म् शब्द कितने अक्षरों से मिलकर बना है?	**1**
8	जगत् का अनुपम आधार कौन है ?	1
9.	"ध्वज" शब्द का अर्थ लिखिए।	1
10.	"पोच" शब्द का अर्थ लिखिए।	1
11.	गुरु नानकदेव जी ने ओ३म् को क्या कहा है ?	1
(ख)	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो से तीन वाक्यों में दीजिए।**	10
12.	मनुष्य का अधिकार किसमें है और किसमें नहीं ?	2
13.	वेद ज्ञान घर-घर में भर जाने का क्या लाभ होगा ?	2
14.	युद्ध के मैदान में एक क्षत्रिय का क्या कर्तव्य है ?	2
15.	गायत्री मंत्र को पापनिवारणी,दुःख-हारनी,त्रिलोक तारनी क्यों कहते हैं ?	2
16.	उपनिषदों ने ओ३म् के बारे में क्या कहा है ?	2
(ग)	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधीकतम वाक्यो में दीजिए।**	9
17.	सविता शक्ति द्वारा मानवी पुरुषार्थ के बारे में लिखिए	3
18.	ओ३म् की महिमा के विषय में छह वाक्य लिखिए ?	3
19.	" वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृहणाति नरोऽपराणि। तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यानि संयाति नवानि देही ।।" श्लोक का अर्थ लिखिए ।	3

ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल
जुलाई परीक्षा (2024)
विषय : नैतिक शिक्षा **(Set B)**
कक्षा:- आठवीं

समय:- 1: घंटा 20 मिनट **पूर्णांक:- 30**

सामान्य निर्देश: सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(क)	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में दीजिए।**	अंक
1.	वेद का प्रमाण मानने वाले किसका गान करते हैं ?	1
2.	गीता में कितने अध्याय हैं ?	1
3.	गीता में किसको शाश्वत बताया गया है?	1
4.	किस मंत्र को गुरु कहा जाता है ?	1
5.	'देही' शब्द का अर्थ लिखिए।	1
6.,	'मा' शब्द का अर्थ लिखिए।	1
7.	ओ३म् शब्द में 'उ' अक्षर सृष्टि के किस गुण का द्योतक है?	**1**
8.	अनादि नाद कौन-सा है ?	1
9.	"पाखंड" शब्द का अर्थ लिखिए।	1
10.	"अघी" शब्द का अर्थ लिखिए।	1
11.	" एक ओंकार सत् नाम कर्ता पुरख।" किसने कहा है ?	1
(ख)	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो से तीन वाक्यों में दीजिए।**	10
12.	गीता के अनुसार जन्म और मृत्यु क्या है ?	2
13.	वेद ज्ञान घर-घर में भर जाने का क्या लाभ होगा ?	2
14.	अर्जुन ने श्रीकृष्ण जी को युद्ध के लिए क्यों मना कर दिया ?	2
15.	गायत्री की महिमा का वर्णन कीजिए।	2
16.	महात्मा गांधी के गायत्री के विषय में विचार लिखिए।	2
(ग)	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधीकतम वाक्यो में दीजिए।**	9
17.	सविता शक्ति द्वारा मानवी पुरुषार्थ के बारे में लिखिए।	3
18.	ओ३म् शब्द की व्याख्या कीजिए।	3
19.	" कर्मण्ये वाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफल हेतु भूर्मा ते संङ्गोस्त्वकर्मणि।।" श्लोक का अर्थ लिखिए ।	3

ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल 2024
जुलाई परीक्षा (2024-2025)
विषय : नैतिक शिक्षा. (Set A)
कक्षा:- आठवीं
।पूर्णांक:- 30 Answer Key

(क)	उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में **11**	अंक
1.	भगवान का सर्वश्रेष्ठ नाम ओ३म् है।	1
2.	गीता का उपदेश श्रीकृष्ण ने दिया।	1
3.	गीता में आत्मा को शाश्वत बताया गया है।	1
4.	गायत्री मंत्र को महामंत्र कहा जाता है।	1
5.	स्वामी दयानंद जी के गुरु का नाम स्वामी विराजानन्द था।	1
6.,	'भू:' शब्द का अर्थ है - जो प्राण का भी प्राण है।	1
7.	ओ३म् शब्द तीन अक्षरों से मिलकर बना है।	**1**
8.	जगत् का अनुपम आधार ओ३म् है।	1
9.	"ध्वज" शब्द का अर्थ झंडा है।	1
10.	"पोच" शब्द का अर्थ- तुच्छ है।	1
11.	गुरु नानकदेव जी ने ओ३म् को ओंकार कहा है।	1
(ख)	उत्तर दो से तीन वाक्यों में **10**	10
12.	मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है,फल प्राप्ति में कभी भी नहीं है।	2
13.	वेद ज्ञान के घर -घर में भर जाने से संसार में अज्ञान रूपी अन्धकार अर्थात् अविद्या नष्ट हो जाएगी और सर्वत्र ज्ञान रूपी प्रकाश अर्थात सुख,शांति, समृद्धि फैल जाएगी।	2
14.	युद्ध के मैदान में एक क्षत्रिय का केवल यही धर्म व कर्म है कि वह शत्रु का अधिक से अधिक विनाश करे। इसलिए मोह त्याग कर युद्ध करो।	2
15.	गायत्री की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है,-"समस्त दुखों के अपार सागर से पार करने वाली गायत्री है।इसीलिए इसको पाप-निवारणी, दुःख- हारनी, त्रिलोक -तारिणी कहते हैं।"	2
16.	उपनिषदों ने ओ३म् के बारे में स्पष्ट कहा है:- " ओंकार एवेदम् सर्वम् " अर्थात् यह सब कुछ ओ३म् ही है।	2
(ग)	उत्तर अधिकतम वाक्यो में	9

17.	जिस प्रकार परमात्मा अपनी सविता शक्ति द्वारा सुप्त प्रकृति को प्रेरणा करके सृष्टि को रच देता है, इसी प्रकार परमात्मा को 'सविता' नाम से पुकारने वाले साधक का भी कर्तव्य हो जाता है कि वह अपने आप को और दूसरों को प्रेरणा देखकर अज्ञान की निद्रा को दूर करें, और सब मनुष्यों को ईश्वर भक्त, वेद- भक्त तथा जनता -जनार्दन का सेवक बनाने का यत्न करे।	3
18.	1.ओ३म् जगत् का अनुपम आधार है। 2. ओ३म् नाम के जप से वाणी में पवित्रता आती है। 4. ओ३म् नाम मानव के मन- मंदिर की ज्योति का प्रकाश पुंज है। 5. ओ३म् नाम के जप से मनुष्य की सभी शुभकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। 6. ओ३म् नाम का जप करने वाला जीवन- संग्राम में कभी निराश नहीं होता है।	3
19.	17. " वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृहणाति नरोऽपराणि। तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यानि संयाति नवानि देही ।।" श्लोक का अर्थ - श्रीकृष्ण जी कहतें हैं, " हे अर्जुन ! जिस प्रकार कोई व्यक्ति अपने फटे - पुराने वस्त्रों को उतारकर नए वस्त्र धारण कर लेता है, उसी प्रकार यह आत्मा (शाश्वत) इस पुराने शरीर (नश्वर)को छोड़कर नया शरीर धारण कर लेती है।	3

ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल 2024
जुलाई परीक्षा (2024-2025)
विषय : नैतिक शिक्षा. (Set B)
कक्षा:- आठवीं Answer key

(क)	उत्तर एक शब्द अथवा एक वाक्य में :- **11**	अंक
1.	वेद का प्रमाण मानने वाले ओ३म् का गान करते हैं।	1
2.	गीता में अठारह अध्याय हैं।	1
3.	गीता में आत्मा को शाश्वत बताया गया है?	1
4.	गायत्री मंत्र को गुरु कहा जाता है ?	1
5.	'देही' शब्द का अर्थ आत्मा है।	1
6.,	'मा' शब्द का अर्थ नहीं है।	1
7.	ओ३म् शब्द में 'उ' अक्षर सृष्टि के मध्य गुण का द्योतक है।	**1**
8.	अनादि नाद ओ३म् है।	1
9.	"पाखंड" शब्द का अर्थ है - वेद विरुद्ध आचरण।	1
10.	"अघी" शब्द का अर्थ पापी है।	1
11.	" एक ओंकार सत् नाम कर्ता पुरख।" श्री गुरु नानक देव जी ने कहा है।	1
(ख)	उत्तर दो से तीन वाक्यों में :- **10**	10
12.	गीता के अनुसार आत्मा का शरीर से मिलन जन्म और अलग (पृथक्) होना मृत्यु है।	2
13.	वेद ज्ञान के घर -घर में भर जाने से संसार में अज्ञान रूपी अन्धकार अर्थात् अविद्या नष्ट हो जाएगी और सर्वत्र ज्ञान रूपी प्रकाश अर्थात् सुख,शांति,समृद्धि फैल जाएगी।	2
14.	अर्जुन ने अपने सामने युद्ध के लिए विपक्ष में खड़े अपने सगे-संबंधियों को देखकर मोह से घिरकर हताश और व्याकुल हो गए और श्रीकृष्ण को युद्ध के लिए मना कर दिया।	2
15.	गायत्री की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है,-"समस्त दुखों के अपार सागर से पार करने वाली गायत्री है।इसीलिए इसको पाप-निवारणी, दुःख- हारनी, त्रिलोक -तारिणी कहते हैं।"	2
16.	महात्मा गांधी ने एक लेख में लिखा है कि गायत्री मंत्र का स्थिरचित्त और शांत हृदय से किया गया जप आपत्ति काल के संकटों को दूर करने का सामर्थ्य रखता है और आत्म उन्नति के लिए उपयोगी है।	2
(ग)	उत्तर अधिकतम वाक्यो में :-	9

17.	जिस प्रकार परमात्मा अपनी सविता शक्ति द्वारा सुप्त प्रकृति को प्रेरणा करके सृष्टि को रच देता है, इसी प्रकार परमात्मा को 'सविता' नाम से पुकारने वाले साधक का भी कर्तव्य हो जाता है कि वह अपने आप को और दूसरों को प्रेरणा देखकर अज्ञान की निद्रा को दूर करें, और सब मनुष्यों को ईश्वर भक्त, वेद- भक्त तथा जनता -जनार्दन का सेवक बनाने का यत्न करे।	3
18.	ईश्वर ने सृष्टि को उत्पन्न किया है,वही इसका पालन करता है और अंत में वही इस समेट लेता है। ओ३म् के अ उ म् - यह तीन अक्षर सृष्टि के इसी आदि, मध्य और अंत के द्योतक हैं। महर्षि दयानंद जी ने सत्यार्थ प्रकाश में प्रथम समुल्लास के प्रारंभ में ही लिखा है,"(ओ३म्) यह ओंकार शब्द परमेश्वर का सर्वोत्तम नाम है।"	3
19.	17. " कर्मण्ये वाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफल हेतु भूर्मा ते संड्गोस्त्वकर्मणि।।" श्लोक का अर्थ :- श्रीकृष्ण ने कहा:- हे अर्जुन ! मानव का अधिकार केवल कर्म करने में है फल प्राप्ति में कभी भी नहीं है ,आप कर्मों के फल की वासना वाले मत हों,आपकी प्रीति केवल कर्म करने में हो।	3